वेदांता ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला खनन दिवस

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला खनन दिवस के उपलक्ष्य में वेदांता लिमिटेड ने भारत की सबसे बड़ी महिला अंडरग्राउंड खनन टीम का उत्सव मनाया। हिंदुस्तान जिंक के साथ मिलकर वेदांता ने 2019 में पहली बार महिलाओं को भूमिगत खनन में शामिल किया था। आज कंपनी के विभिन्न यूनिट्स में 550 से अधिक महिलाएं कोर खनन कार्यों में कार्यरत हैं और कंपनी का जेंडर डाइवर्सिटी अनुपात 22 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिसे 2030 तक 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। वेदांता ने खनन क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं भारत की पहली भूमिगत महिला खनिकों की तैनाती से लेकर पूरी तरह महिला रेस्क्यू टीम का गठन तक। हिंदुस्तान जिंक के पास तीन पूर्णतः महिला भूमिगत रेस्क्यू टीमें हैं। कंपनी ने एल्युमिनियम पॉटलाइन और लोकोमोटिव संचालन जैसे तकनीकी क्षेत्रों में भी महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में लाया है। टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, और ऑटोमेशन के साथ वेदांता का इंडस्ट्री 4.0 दृष्टिकोण कार्यस्थल को अधिक समावेशी और सुरक्षित बना रहा है। महिला कर्मचारियों को समान अवसर, प्रशिक्षण, और विकास का मंच प्रदान किया जा रहा है। कम्पनी की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि विविधता और समावेशन ही नवाचार और प्रगति को गति देते हैं। महिला खननकर्मी योगेश्वरी राणे और संध्या रसकतला जैसी प्रोफेशनल्स ने इस क्षेत्र में मिसाल कायम की है।